19. सहभागिता एवं संबंध

आई.सी.ए.आर./डेअर में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग विभिन्न देशों/अन्तरराष्ट्रीय संगठनों के साथ किए गए समझौतों/कार्य योजनाओं के हस्ताक्षरित होने के माध्यम से संचालित हो रहा है और इसमें आई.सी.ए.आर./डेअर की भूमिका नोडल विभाग की रही है। इसके अतिरिक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने विभिन्न देशों व अन्तराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर सहयोग का एक कार्यक्रम विकसित किया है जिसमें आई सी ए आर/डेयर कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में प्रतिभागी एजेन्सी है।

विदेश मंत्रालय तथा वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा गठित किए गए संयुक्त आयोगों/कृषि दलों में कृषि/कृषि अनुसंधान इत्यादि क्षेत्रों में डेअर प्रत्यक्ष रूप से अथवा कृषि एवं सहयोग विभाग के माध्यम से प्रतिभागिता करता है। विभाग की गतिविधियां, समझौते/कार्य योजनाएं विभिन्न अन्तरराष्ट्रीय संगठनों/देशों के साथ लागू करने के माध्यम से किए जाते हैं।

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा/डेअर, अन्तरराष्ट्रीय विचार गोष्ठी तथा कार्यशालाओं जो कि पक्षी विज्ञान पर थीं तथा 8-10 अप्रैल 2010 को सम्पन्न हुई, ''एलीमिनेटिंग हंगर एंड पोवर्टी प्रायोरिटीज इन ग्लोबल एग्रीकचल्चुरल रिसर्च एंड डेवल्पमेंट एजेंडा इन एन एरा ऑफ क्लामेट चेंज एंड राइजिंग फूड प्राइसिस'' पर चेन्नई में 7-9 अगस्त 2010 को सम्पन्न हुई, अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार ''फ्रंटियर्स ऑन स्टेम सेल एडं बायोटेक्नोलॉजी इन ह्यूमन एडं वेटेरीनरी मेडीसिन'' मद्रास वैटीनरी कॉलेज के कांफ्रेंस हाल, चेन्नई - तमिलनाडु में 15 व 16 जुलाई 2010 को सम्पन्न हुई। अन्तरराष्ट्रीय कांफ्रेंस 'ट्रेडीशनल प्रैक्टिस इन कनसर्वेशन एग्रीकल्चर' राजस्थान कॉलेज आफ एग्रीकल्चर, उदयपुर-राजस्थान में 18-20 सितम्बर 2010 को सम्पन्न हुई, अन्तरराष्ट्रीय नारियल कांफ्रेंस - ''कोकोनट बायोडाईवर्सिटी फॉर प्रास्पर्टी'' सी.पी.आर.आई, केसरगढ़, केरल में 27-40 अक्टूबर तथा क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला : ''इन विवो कनसर्वेशन ऑफ एनीमल जेनेटिक रिसोर्सिस'', 28-30 अक्तूबर 2010 को एन.ए.एस.सी. कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली तथा अन्तरराष्ट्रीय विचार गोष्ठी एवं वार्षिक कन्वेशन भारतीय सोसाइटी पशु प्रजनन, स्त्री रोग विज्ञान, कृषि एवं प्रोद्यौगिकी, जी.जी.पी.यू.ए., वीटी पंतनगर 11 से 13 नवम्बर 2010।

विभाग अपनी विभिन्न गतिविधियों के लिए 'तदर्थ श्रेणी' के अन्तर्गत उनके आगमन इत्यादि का आयोजन करता है तथा उनके विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रस्तावों को भी प्राप्त करता है।

समझौता ज्ञापन/कार्य योजना

- 7 जून 2010 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी, मैनहटन, कानसास, अमेरिका के मध्य एक समझौता हुआ।
- 25 अगस्त 2010 को एन.ए.ए.सी.सी. कॉम्प्लेक्स - नई दिल्ली में आईसीएआर अन्तरराष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान के मध्य एक कार्ययोजना पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग को बढ़ाना था।

साझा परियोजनाएं

जीनोमिक्स तथा आणविकीय पालन-लिनसिड/फ्लैक्स (अलसी): आई.ए.आर..आई./राष्ट्रीय पादप जैव प्रोद्यौगिकी अनुसंधान केन्द्र एक साझा परियोजना, - जेनोमिक्स एंड मोलेक्यूलर ब्रीडिंग ऑफ लिनसीड/फ्लैक्स पर ससकातून, कनाडा के साथ 3 वर्ष तथा 5 माह 2010 से प्रभावी करेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य आणविक जीवविज्ञान तकनीक का लाभ उठाना है ताकि लिनसीड जीनोटाइप का जीन प्रासपैटिंग ही हुआ है जो कि एन ए आर एम में उपलब्ध है तथा फसल सुधार कार्यक्रम में इसका उपयोग किया जा सकता है। यह परियोजना साझा आधार पर है लेकिन इसके लिए ससकातून, कनाडा से कोई भी वित्तीय फंड किसी भी संस्थान को उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे।

कुल कोष 233.42 लाख रुपये के होंगे (166.44 लाख रुपये एन आर सी के लिए पादप जैव प्रोद्यौगिकी हेतु तथा 60.98 लाख आई.ए.आर.ई. हेतु दिए गए हैं) तथा इनका भुगतान क्रमश: ई.एफ.सी. बजट से किया जाएगा। **वित्तीय फंड सी.जी. संस्थानों के लिए जारी किए गए :** सी.जी.आई.आर. ग्रुप में भारत एक अंशदायी दाता सदस्य है तथा 0.75 अमेरिकी डालर का अंशदान, अर्निबाधित फंड जो कि सी जी संस्थाओं के लिए है।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल (जिसके यहां पर 7 परिसर उत्तर-पूर्व के 6 राज्यों में है, ने 8 स्नातक पूर्व शैक्षिक कार्यक्रम - कृषि, बागवानी, वानिकी, पशु विज्ञान एवं पशु पालन, मात्सियकी, गृह विज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी तथा प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी में क्रमश: प्रारम्भ किये हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री/उपाधि कोर्सों में इसकी कुल क्षमता 335 विद्यार्थियों की है तथा 25 स्नातकोत्तर शैक्षिक कार्यक्रम कृषि विद्यालय - इम्फाल, बागवानी विद्यालय, पशु विज्ञान एवं पशुपालन विद्यालय - सीलीसीह-आइजोल, मात्स्यिकी महाविद्यालय, तेम्बुचेरा, अगरतला तथा स्नातकोत्तर अध्ययन विद्यालय - बारापानी जिसकी कुल क्षमता क्रमश: 48, 10, 30, 20 तथा 48 विद्यार्थियों की है। भ.कृ.अ.प. द्वारा संचालित कनिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप में इस विश्वविद्यालय के 21 विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर शिक्षा हेतु कनिष्ठ फैलोशिप प्राप्त की

तथा यह विश्वविद्यालय समूचे देश में छठे पायदान पर है। वर्ष 2010 में स्नातकोत्तर विषयों के कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय से कुल 68 विद्यार्थी विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों में दाखिल किए गए। केन्द्रीय कृषि विश्विद्यालयों के 21 विद्यार्थियों में राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के आधार विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों यथा आई.ए.आर.आई., दिल्ली, आई.वी.आर.आई., इज्जतनगर, एन.डी.आर.आई., करनाल तथा सी.आई.एफ.ई. मुम्बई इत्यादि थे। विश्वविद्यालय में ए.आई.सी.आर.पी.ए. है। राष्ट्रीय नेटवर्क परियोजनाओं के या ए.आई.सी.आर.पी. के 18 केन्द्र हैं जो फसलों व पशुओं पर केन्द्रित हैं और इनको केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित किया जाता है। स्थानीय समस्याओं के महत्व को समझते हुए विश्वविद्यालय में 131, इन्ट्राम्यूराल परियोजनाओं को भी स्वीकृति प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त, 37 अनुसंधान परियोजनाओं को बाहरी एजेन्सियों द्वारा वित्तीय सहायता जा रही है तथा ये कार्यरत अवस्था में भी हैं।

सीएयू की उपलब्धियों

(i) वैरायटल टेस्ट के जीनो टेस्ट टाइप (38के) परिक्षण किया गया जिसने इंगित किया है कि सोयाबीन के जीनोटाइप संख्या 34 से अधिकतम उपज 1830 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर प्राप्त हुई, जब इसकी सर्वोत्तम किस्म आरकेस-18 (1251 कि.ग्रा/प्रति हेक्टेयर) की गई। अधिकतम बीज उपज (1, 327 कि./प्रति हे.) तथा अधिकतम शुद्ध लाभ/आय (54389 रुपये/प्रति हेक्टेयर) आरकेएस-18 से प्राप्त किया गया तथा डी.एस. 97-52 की बीज दर 55 कि./प्रति हे. मय लाइन अंतराल 45 से.मी. से बुवाई के साथ पायी गई।

(ii) स्पैनिश जीनोटाइप मूंगफली - एएसके-2009-14 से अधिकतम गिरी उपज 2,123 मी./प्रति हे. प्राप्त की गई। किस्म जेडी-6 सरसों की, जब 10 अक्तूबर को बुवाई की गई तो 110 दिनों इस किस्म में सबसे अधिक उपज प्राप्त हुई। उड़द बीज की उत्तरा नामक किस्म से मणिपुर जैसे वातावरण में 932 कि./प्रति हे. उपज प्राप्त हुई।

(iii) धान सुधारीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 19 कम समयावधि के पहाड़ी जीनोटाइप को उनकी कार्यक्षमता के परीक्षण उद्देश्य से परखा गया। धान जीनोटाइप प्रविष्टि संख्या 2602 में सबसे अधिक अनाज उपज 5605 कि.ग्रा/प्रति हे. दर्ज की गयी जबकि तुलनात्मक रूप से सीएयू-आर-1 धान ने 4911 कि.ग्रा/हे. उपज प्रदान हुई। महाबीज परियोजना के तहत विभिन्न फसलों के 55 प्रजनक बीजों का उत्पादन किया गया।

(iv) स्थानीय मिजो सूअरों (जेड.ओ.वी.ए.डब्ल्यू.के.) पुन: प्रजनन हैं। उनके एक क्षेत्रीय सीएसएफ रैफरल प्रयोगशाला को आणविक कार्यों के लिए सैल कल्चर तथा नमूने परीक्षण के लिए स्थापित किया गया है। जिससे क्लीनिकल स्वाइन फीचर पर महामारी संबंधी, उत्तरपूर्वी भारत में अध्ययन किए जा सकें।

(v) पहाड़ी क्षेत्रों के लिए त्रिपुरा लेमबुवेंीर में मात्स्यिकी कॉलेज को मत्स्य आधारित एकीकृत खेती के लिए विकसित किया गया है। महाबीज परियोजना के अन्तर्गत 70 लाख स्पैन्श तथा 25000 फिंगरलाइनर उत्पादित किये गये तथा किसानों को उपलब्ध कराए गए।

(vi) बागवानी फसलों में अरुणाचल प्रदेश की परिस्थितियों में जे 95-227 जल्दी पकने वाली आलू की सबसे अधिक उपज 30.3 टन/प्रति है. प्राप्त हुई। एक अन्य किस्म-कुफरी पुखराज आलू सबसे अधिकतम कंदीय उपज (38.58 टन/प्रति हे.) किया गया दर्ज मय 80 कि.ग्रा/एन,/10 कि.ग्राम कि.ग्राम पी2 ओ15 तथा 100 कि.ग्राम के$_2$ओ/प्रति हे.।

(vii) हल्के पावर टिलर के प्रोटोटाइप परीक्षण पायी गयी ने इंगित किया है कि पावर टिलर पीटी-1 (चार-स्ट्रोक डीजल चलित इंजन पावर 7.5 हार्सपावर मय 120 कि. वजन) पहाड़ी के सीढ़ीदार खेतों में प्राथमिक जुताई तथा गीली जुताई में सबसे सस्ता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र (3) जो कि एन्द्री, इम्फाल पूर्वी (मणिपुर सेलेसिह-आइजॉल (मिजोरम) तथा पूर्वी सियांग पासीघाट (अरुणाचल प्रदेश) में स्थित है प्रोद्यौगिकी निर्धारण रिफाइनमेन्ट तथा प्रसार में किसानों के प्रशिक्षण व अन्य कृषि सेवाओं तथा सुविधा प्रदान कर रहा है। विस्तार शिक्षा निदेशालय ने तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये इसके 63 एस एम एस जो कि कृषि विज्ञान केन्द्र - मणिपुर, अरुणाचल तथा मिजोरम से हैं वे सभी लाभांवित हुए। तीनों केवीके द्वारा आयोजित 131 प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें कुल 3,544 प्रतिभागियों को लाभ मिला। 20 फ्रंट लाइन डिमोस्ट्रेशन आयोजित किए जिससे 237 कृषकों को लाभ मिला तथा इन्हीं केन्द्रों के द्वारा 14 खेतों पर ही परीक्षण आयोजित कराए गए और इससे 176 किसानों को लाभ मिला।

नवाचार/शिष्टाचार गतिविधियां

विदेशों में प्रतिनिधि मण्डलों का जाना

- डा. संजय कुमार सिंह (वरिष्ट वैज्ञानिक, डी. डब्ल्यू. आर., करनाल), डी.आर.आर.डब्ल्यू. आईसी.ए.आर. के तहत अपने तीन माह के प्रवास पर कार्नल यूनिवर्सिटी, इथाका, न्यूयार्क, यू.एस.ए. को 8 फरवरी से 7 मई 2010 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम - मोलेक्यूलर मारकर डेवेलपमेंट एंड एलाइड एरियाको गए।
- डा. पी शीनॉज (वैज्ञानिक, एन.सी.ए.पी. - नई दिल्ली) इन्डो - यू.एस.ए. के आई के नार्मन बोरलाग अन्तरराष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रौद्योगिक फैलोशिप कार्यक्रम 2009 में कृषि अर्थशास्त्र विषय पर भाग लेने हेतु कॉर्नल यूनिवर्सिटी-इयाका-न्यूयार्क-यू.एस.ए. 6 मार्च से 16 अप्रैल 2010 तक की अवधि में प्रवास किया।
- डा. बी के जोशी (निदेशक, एन बी जी ए आर - करनाल), डा. वी के विज (प्रधान वैज्ञानिक, एन वी जी ए आर - करनाल) तथा डा. विनीत भसीन (प्रधान वैज्ञानिक) ए जी तथा बी, आईसीएआर, एचक्यू नई दिल्ली) ने कार्य योजना 2009-10 जो कि मिनिस्ट्री आफ रिपब्लिक आफ इण्डिया तथा कृषि एवं ग्रामीण मंत्रालय - रिपब्लिक आफ हंगरी के साथ हुए समझौते के तहत 4-11 मई, 2010 को हंगरी प्रवास किया।
- डा. राम प्रकाश दुआ, एडीजी (खाद्य फसलें), आईसीएआर, नई दिल्ली 24-30 मई 2010 तक इरीट्रा गए ताकि वे वहां पर इरीट्रा में कृषि की स्थिति का अध्ययन करके सुझाव दे सकें ताकि उन सुझावों को कार्य योजना 2010-11 में सम्मिलित किया जा सके।
- डा. सी एस. प्रसाद, एडीजी (ए एन पी) भ.कृअ.प. ने राज्य मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा एक प्रतिनिधि

मंडल की अगुवाई में शामिल हुए। यह प्रतिनिधि मंडल इंडो-यूएस संयुक्त आयोग की प्रथम मीटिंग जो कि विज्ञान एवं तकनीक में प्रतिभागिता करने के लिए 24-25 जून 2010 के मध्य अमेरिका गया।

- डा. एस. अय्यप्पन, सचिव (डेयर) तथा महानिदेशक, भ.कृ.अ.प. सदस्य की हैसियत से एक प्रतिनिधि मण्डल जिसकी अगुवाई डा. कस्तूरी रंजन सदस्य विज्ञान, योजना आयोग कर रहे थे, में 11 से 17 अगस्त 2010 तक अमेरिका की यात्रा की।
- डा. एस. श्रीनिवासन (निदेशक, सी आइ आर सी ओ टी, मुंबई) तथा डा. पी. आर. ब्रहाम्बे (फसल उत्पादन विभागाध्यक्ष, सी. आई. सी. आर. - नागपुर) 2 सप्ताह 22 नवम्बर से एक अध्ययन हेतु-कपास उत्पादन तथा सस्योत्तर प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन कपास के लिए केनिन में गए।
- डा. वीर पाल सिंह (निदेशक - सी पी आर आई - शिमला) भारतीय प्रतिनिधि मण्डल, जिसका नेतृत्व बागवानी कमिश्नर, डेअर, कृषि भवन ने किया, उनकी अगुवाई में वे सदस्य की हैसियत से 20-25 सितम्बर, 2010 तक थिम्बू-भूटान में रहे।

विदेशी प्रतिनिधि मंडल

- महामहिम उपराष्ट्रपति, चीन केन्द्रीय ग्राम कार्य अगुवाई समूह, चीन एवं श्री टियान चोंगपिगं अपने साथ छह सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ 31 मई 2010 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान - नई दिल्ली आए।
- मोजाम्बिक गणतंत्र के महामहिम राष्ट्रपति श्री अमानदीयो इमीलियो गीबुजा तथा श्रीमती मरिया, डा. लूजा गीवुजा, भ.कृ.अ.सं. 1 अक्तूबर 2010 की एक दिन की यात्रा पर आई.ए.आर.आई. नई दिल्ली में आए।
- डा. तात्याना तियातियूशकिना (वैज्ञानिक - ऑल एशिया इंस्टीच्यूट आफ गार्डनिंग एडं हार्टीकल्चर - रशिया) तथा डा. रईसा कुल्यान (वैज्ञानिक, आल रशियन सांइटिफिक रिसर्च इंस्टीटयूट ऑफ फ्लावरर्स एडं सब ट्रापिकल क्राप्स, सोची, रशिया) 20 सितम्बर से 26 सितम्बर, 2010 तक आई. आई. एच. आर. - बंगलुरु में कल्टीवार रिसर्च-इन्ट्रोडक्शन एंड रिसर्च ऑफ एसेंशियल कल्टीवार्स एंड देयर वाइल्ड कांगनेर्स ''सिट्रस, होर्टीकल्चरल डेकोरेटिव फ्लोवरिंग'' आयीं।
- श्री याशिन वालेरी (अध्यक्ष, लैबोरेटरी आफ कंजर्वेशन कनडीशन्स आफ एमीलीयोरेशन आफ ऑल रशिया सांइटिफिक रिसर्च हाइड्रोटेक्नीक्स तथा एमीलीयोरेशन ए.एन. कोस्वीयाकोव तथा श्री कुलीक एलेक्स (वरिष्ट वैज्ञानिक - संरक्षा विभाग कृषि एवं वन सुधार) केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में ''रिक्लेमेशन ऑफ साल्ट एफेक्टिड सॉयल्स—एडवांसिस इन रिक्लेमेशन एंड मैनेजमेंट ऑफ साल्टिड लैंड्स'' 13 सितम्बर से 2 अक्तूबर 2010 तक यहां आए।
- श्री लुम्बा निधि पांडे तथा डा. आर. बी. प्रसाद (दोनों वरिष्ठ वैज्ञानिक, नेपाल कृषि अनुसंधान परिषद, नेपाल) कार्य योजना 2009-10 के तहत राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान-करनाल में 17-23 अगस्त 2010 में यहां आए।

भारतीय वैज्ञानिक विदेशी कार्यभार पर

- डा. बी. एम. प्रसन्ना (वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा राष्ट्रीय फैलो, आनुवांशिकी विभाग, आई. ए. आर. आई. - नई दिल्ली) की प्रतिनियुक्ति बतौर निदेशक के पद पर वैश्विक मक्का कार्यक्रम, सी आई एम एम वाई टी, मैक्सिको जो कि सी आई एम एम वी टी, नैरोबी, केन्या में स्थित हुई है।
- डा. भोजराज सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, भ.कृ.अ.प. अनुसंधान काम्प्लेक्स एन ई राज्य क्षेत्र - नागालैंड) की प्रतिनियुक्ति बतौर विशेषज्ञ पद का अनुमोदन मिला और वे रोग मैपिंग परियोजना पशु विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, कृषि एवं मात्स्यिकी मंत्रालय, कृषि एवं पशुधन अनुसंधान निदेशालय, मस्कट, सल्तनत ऑफ ओमान में गए।
- डा. वाई. पी. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, सी. एस. एस. आर. आई, आर. आर. एस., लखनऊ) को प्रतिनियुक्ति बतौर परामर्शदाता के पद का अनुमोदन मिला और वे परामर्श देने आई.आर.आर.आई - पूर्व एवं दक्षिणी अफ्रीकी क्षेत्र कार्यालय (ई एस ए आर ओ) डार एस सालाम तंजानिया, परियोजना - नये धान की अगली पीढ़ी की किस्मों जो कि सब सहारा अफ्रीका एवं दक्षिण-पूर्व एशिया है, के लिए गए।
- डा. (श्रीमती) सुमित्रा अरोड़ा (वरिष्ठ वैज्ञानिक एन सी आई पी एम-नई दिल्ली) एंडेवर अनुसंधान फैलोशिप प्राप्त करने हेतु 6 माह की अवधि-10 अप्रैल 2010 से 10 अक्तूबर 2010 के लिए डी.ई.ई.डब्ल्यू.आर. आस्ट्रेलिया गईं।
- डा. (श्रीमती) अमिता चौधरी (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आई ए आर आई - नई दिल्ली) ने ए एस एम अन्तराष्ट्रीय प्रोफेसरशिप कार्यालय के अन्तर्गत बायो डिजाइन इंस्टी., एरीजोना एस्टेट यूनिवर्सिटी, 1001 साउथ मैकेलिस्टर एवेन्यू यूएसए में ''ऑप्टीमाइजेशन ऑफ चैरामीटर्स फॉर बायोफ्यूल प्रोडक्शन प्रोसैस बाय फोटो-सिंथेटिक बैक्टीरिया इन फोटोबाइर-एक्टर्स'' तीन माह - 25 सितम्बर से 4 दिसम्बर 2010 तक गईं।
- डा. के.वी.एच. शास्त्री (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी ए आर आई, इज्जतनगर) ने आस्ट्रेलियाई सरकार से इंडेवर एक्जीक्यूटिव अवार्ड के लिए 4 माह की अवधि - 12 मई से 12 सितम्बर 2010 तक डी ई ई डब्ल्यू आर आस्ट्रेलिया गए।
- डा. (सुश्री) रविन्द्र कौर (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएआरआई नई दिल्ली) 15 जनवरी से 14 मई 2010 तक चार माह के लिए यूएसआईईएफ के तहत चलाए गए यूएसआईईएफ फुलब्राइट नेहरू इनवायरमेंटल लीडरशिप प्रोग्राम 2009-10 के लिए फ्लोरिंग यूनिवर्सिटी, यूएसए गयीं।
- डा. सुधीर कुमार नाग (वरिष्ठ वैज्ञानिक आईजीएफआरआई झांसी) ने 16 अप्रैल से 15 अक्तूबर 2010 तक छह माह के लिए इन्डेवर रिसर्च फेलोशिप के लिए डीईईडब्ल्यूआर आस्ट्रेलिया की यात्रा की।
- डा. ए.के. सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनडीआरआई, करनाल) 14 फरवरी से 14 मई तीन माह तक 'इरैमस मुंडस स्कालरशिप के लिए अनहाल्ट यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लाइड साइंस, बर्नबर्ग जर्मनी का भ्रमण किया। यह स्कारशिप इरैमस मुंडस प्रोग्राम ऑफ यूरोपियन यूनियन के तहत दी जाती है।'
- डा. (सुश्री) अरुणा त्यागी (प्रधान वैज्ञानिक, आईएआरआई नई दिल्ली) ने 12 मार्च से 12 जुलाई 2010 चार माह के लिए यूएसआईईएफ, यूएसए के तहत चलाए गए यूएसआईईएफ फुलब्राइट नेहरू इनवायरमेंट लीडरशिप

प्रोग्राम 2009-2010 के लिए ओहिओ स्टेट ऑफ यूनिवर्सिटी कोलंबस, यूएसए की यात्रा की।

- डा. केदारनाथ मोहंता (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर रिसर्च काम्प्लेक्स गोवा के लिए) ने अप्रैल 2010 से मार्च/अप्रैल 2011 एक साल के लिए यूनिवर्सिटी स्वान्स मलेशिया, पेनाग, मलेशिया की यात्रा की। यह यात्रा पोस्ट डाक्टर प्रोग्राम के लिए है।
- डा. एन. शानमुगम (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीआईआरसीओटी, मुंबई) ने 1 अप्रैल से 15 जून 2010 - 76 दिन के लिए इजिप्टियन इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चर (ईआईसीए) गीजा, इजिप्ट की यात्रा की। यह यात्रा सूत उत्पादन और प्रौद्योगिकी के ट्रेनिंग कोर्स के तहत थी।
- डा. पी. अधिगुरु (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएपी नई दिल्ली) 1 अप्रैल से 15 जून 2010 यानी 76 दिन के लिए ईआईसीए के तहत चलाए गए ट्रेनिंग कोर्स ''एग्रीकल्चर सर्विस'' के लिए ईआईसीए, गीज़ा इजिप्ट गए।
- डा. ए. अरंगशामी (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनआरसीई, नई दिल्ली) 11 जून 2010 से 10 जून 2011 यानी एक वर्ष तक डीएसटी के बीओवाईसीएएसटी फेलोशिप 2009-10 के तहत कॉलेज ऑफ वेटेनरी मेडीसिन, वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, पुलमैन डब्ल्यूए99163 यूएसए में चलाए गए ट्रेनिंग प्रोग्राम 'रोल ऑफ स्पर्म्स प्रोटेक्शन बायोमार्कर्स आन रिप्रोडक्टिव इफीशिऐंसी, प्रवास किया।'
- डा. आर.एस. पवैय्या (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईवीआरआई इज्जत नगर) ने पोस्ट ग्रेजुएट फेलोशिप लेने के लिए 1 जुलाई 2010 से एक वर्ष के लिए सेंट जार्ज यूनिवर्सिटी गोनाडा, आस्ट्रेलिया में प्रवास किया।
- डा. हुकुम चंद (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएएसआरआई नई दिल्ली) 5 जुलाई 2010 से 4 जुलाई 2011 यानी एक वर्ष के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगंग, आस्ट्रेलिया गए। यह यात्रा छोटे इलाकों में पोस्ट डाक्टरल रिसर्च फेलो पोजिशन, के लिए है।
- डा. जी. केडिरवेल (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर रिसर्च कांप्लेक्स यूमियम, एनईएच रीजन के लिए) ने डीएसटी के बीओवाईएससीएएसटी फेलोशिप 2009-10 के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ इलीनोयस ऑफ अरबना - कैंपेन यूएसए 17 जून 2010 से 12 माह के लिए गए। यह प्रोग्राम डीएसटी के तहत चलाया गया है।
- डा. (सुश्री) सोहिनी डे (वैज्ञानिक, एसएस, आईसीआरआई इज्जत नगर) ने डीएसटी के बीओवाईएससीएएसटी फेलोशिप 2009-10 ''वैक्सीन डेवलपमेंट'' के लिए 20 मई 2010 से 6 महीने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ एनीमल हेल्थ, पिटब्राइट यूनाइटेड किंगडम का भ्रमण किया।
- डा. एस.के. मैत्री (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईवीआरआई, इज्जतनगर) 10 मई 2010 से तीन माह की ट्रेनिंग के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ कोलन (कोलीगन) 50931, कोलन, जर्मनी में प्रवास किया। यह ट्रेनिंग डा. डिमित्री स्पिटकोवस्की के नेतृत्व में ''थैरेपिटक अप्लीकेशन ऑफ मेसेन्सियल स्टेम सेल्स कंस्ट्रक्ट ऑफ कोन्ड्रोजेनेसिस ऑफ रिपेयर कार्टिलेज डिफेक्ट इन एनीमल माडल'' के लिए थी।
- डा. के.सी. दास (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनआरसी-एम झरनापानी) ने तीन माह 1 अगस्त से 31 अक्तूबर 2010 तक कनाडा स्थित लेकहैड यूनिवर्सिटी का भ्रमण किया। यह ट्रेनिंग डीबीटी ओवसीज एसोसिएटशिप के तहत लाइफ साइंस (एनीमल न्यूट्रीशियंस) के लिए दी गयी थी।
- डा. आर.के. मलिक (प्रधान वैज्ञानिक, एनडीआरआई करनाल) ने 1 जुलाई से 14 अगस्त 2010 यानी 45 दिन तक डीएसएडी रिइनवाइटेशन प्रोग्राम में मैक्स रबनर इंस्टीट्यूट, बीएफआईईएल कर्लश्रुहे जर्मनी की यात्रा की।
- डा. मोहन एन.एच. (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईवीआरआई इज्जतनगर) डीएमटी के बीओवाईएससीएएसटी फेलोशिप 2009-10 ''ट्रांसजेनिक प्लांट एंड एनीमल्स'' के लिए हारवर्ड मेडिकल स्कूल, मैसाच्युएस्ट्स जनरल हास्पिटल, मैसाच्युएस्ट्स 10 अक्तूबर 2010 से 12 माह के लिए गए।
- डा. आर.पी.एस. वर्मा (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्ल्युआर, करनाल) ने साइंटिफिक उपकरण के आपरेशन के लिए एडलैड, दक्षिणी अफ्रीका की 14 जून 2010 से 6 दिन की यात्रा की।
- डा. पी.के. मिश्रा (परियोजना समन्वयक सीआरआईडीए हैदराबाद) ने 15 सितंबर से 29 अक्तूबर 2010 यानि 45 दिन तक डीएएडी के रिइनवाइट प्रोग्राम के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ कार्लस्रुहे, जर्मनी की यात्रा की। यह प्रोग्राम डीएसडी के तहत आयोजित किया गया था।
- डा. श्रीपद आर भट (प्रधान वैज्ञानिक, एनआरसीपीबी, नई दिल्ली) 19 से 23 जुलाई 2010 यानी एक सप्ताह के लिए लेइका फैक्ट्री जर्मनी में कोनफोकल माइक्रोस्कॉप की ट्रेनिंग के लिए गए। यह यात्रा मैसर्स लैब इंडिया इंस्ट्रूमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित थी।
- डा. सी अप्पुनू (वैज्ञानिक, एसबीआई कोम्बटूर) 1 अगस्त 2010 से 31 जनवरी 2012 यानी 18 महीने इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल रिसोर्स, सीईएस, स्पेन की यात्रा पर हैं। यह यात्रा पोस्ट डाक्टरल फेलोशिप के लिए है, जो निदेशक डा. जोस जैवियर के नेतृत्व में चल रही है।
- डा. वी. राधाकृष्णन (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएआरआई, नई दिल्ली) ने 2010 इंडेवर रिसर्च फेलोशिप अवार्ड को ग्रहण करने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ आस्ट्रेलिया, एडेलैइड, आस्ट्रेलिया के भ्रमण पर 22 सितंबर 2010 से 21 मार्च 2011 यानी 6 महीने हैं।
- डा. पी.जी. पद्माजा (वैज्ञानिक, एसएस, डीएसआर, हैदराबाद) ने रोस्थमस्टेड इंटरनेशनल फेलोशिप के लिए हार्पडनडेन हेर्टफोर्ड साइर, यूनाइटेड किंगडम 8 मार्च से 7 सितंबर 2010 यानी 6 माह के लिए भ्रमण किया।
- डा. पी. काथीरवन (वैज्ञानिक, एनबीएजीआर, करनाल) 30 जून 2010 से 12 माह के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ इलीनोइस, अरबना - कैंपेन, अरबन, इलीनोइस की यात्रा पर हैं। यह यात्रा डीएसटी के बीओवाईएससीएएसटी फेलोशिप 2009-10 के लिए है जिसका विषय ''बायोडायवर्सिटी एंड कंजरवेशन बायोलॉजी।''
- डा. दीपा भगत (वैज्ञानिक, एसएस, एनबीएआईआई, हेब्बल बंगलूरु) ने ''क्राप डिसीज एंड पेट्स इकोलोजिकल कंट्रोल फार डेवलपिंग कंट्री'' की ट्रेनिंग के लिए ग्वांगझू पी-आर चीन की 24 मई से 4 जुलाई 2010 यानी 42 दिन की यात्रा की।

- श्री के श्रीनिवास बाबू (वैज्ञानिक, एसएस डीडब्ल्युआर, करनाल) ने ''क्रॉप डिसीज एंड पैस्ट इकोलोजिकल कंट्रोल फार डेवलपिंग कंट्री'' की ट्रेनिंग के लिए 24 मई से 4 जुलाई 2010 तक ग्वांगझू पीआर चीन में प्रवास किया। यह प्रवास ग्वांग्झू पी.आर. चीन द्वारा आयोजित थी।
- डा. सोमेश्वर भगत (वैज्ञानिक, सीएआरआई, पोर्ट ब्लेयर) 24 मई से 4 जुलाई तक यानी 42 दिन ग्वांगझू पीआर चीन में प्रवास किया। यह यात्रा ''क्रॉप डिसीज एंड पैस्ट इकोलोजिकल कंट्रोल फार डेवलपिंग कंट्री'' ट्रेनिंग कोर्स के लिए थी।
- डा. पी.के. शर्मा (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर रिसर्च काम्प्लेक्स, एनईएच रीजन के लिए, मणिपुर सेंटर, इम्फाल) ने अक्तूबर 2010 से छह माह के लिए ''वायरल गेन साइलेसिंग'' में डीबीटी ओवरसीज एसोसिएटशिप, के लिए वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए गए।
- डा. ईरानी मुखर्जी (प्रधान वैज्ञानिक) और सुमन गुप्ता (वरिष्ठ वैज्ञानिक) दोनों आईएआरआई, नई दिल्ली ने ''इनवायरमेंटल केमिस्ट्री एंड इकोरोक्सीकोलाजी'' पर छठे समर स्कूल में भाग लेने के लिए मासरयक यूनिवर्सिटी, 28 जून से 3 जुलाई 2010 यानी 6 दिन प्रवास किया।
- डा. के.के. बरुआ (प्रधान वैज्ञानिक, मिथुन पर एनआर, झरनापानी) ''लाइफ साइंसेज (रिप्रोडक्शन टेक्नोलॉजी)'' के ट्रेनिंग के लिए विसकानसिन मैडीसन, यूएसए 1 जून से 30 नवंबर 2010 यानी माह के लिए भ्रमण पर गए। यह ट्रेनिंग डीबीटी के तहत थी।
- डा. अशोक कुमारा (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसडब्ल्यूआर एंड टीआई, रिसर्च सेंटर, ददवारा, कोटा, राजस्थान) ने ''इंटरग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट'' की ट्रेनिंग कोर्स के लिए ईआईसीए इजिप्ट की यात्रा की, जो 10 जुलाई से 25 सितंबर यानी 81 दिन के लिए थी।
- डा. पी. जयकुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीआईपीएम, नई दिल्ली) ''ट्रांसजेनिक प्लांट्स एंड एनिमल्स (लाइफ साइंसेज)'' पर डीएसटी के बीओवाईएससीएएसटी फेलोशिप 2009-10 को ग्रहण करने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ एरीजोना, यूएसए 30 जून से पूर्व 12 माह के लिए प्रवास किया। यह यात्रा डीएसटी द्वारा आयोजित थी।
- श्री शम्सुद्दीन एम (वैज्ञानिक, सीएजेडआरआई, आरआरएस कुकमे, भुज) आईसीएआर इंटरनेशनल फेलोशिप 2009-10 के तहत मृदा विज्ञान में पीएच-डी करने के लिए 1 अक्तूबर 2010 से 30 सितंबर 2013 तक यानी 3 वर्ष के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ नाटिंघम, यूके गए।
- गजेन्दर यादव (वैज्ञानिक, सीएसएसआरआई करनाल) कामनवेल्थ स्कालरशिप और फेलोशिप प्लान 2010 का पुरस्कार ग्रहण करने के लिए 1 अक्तूबर 2010 से तीन साल के लिए यूनिवर्सिटी आफ रीडिंग, यूके की यात्रा पर हैं।
- अंजनि कुमार झा (वरिष्ठ वैज्ञानिक, बागवानी, आईसीएआर रिसर्च काम्प्लेक्स, उमियम) एनईएच रीजन के लिए) ''प्लांट्स एंड बायोटेक्नोलॉजी/मेडिसिन प्लांट्स'' पर खास तौर पर नार्थ-ईस्टर्न रीजन के रिसर्चर के लिए डीबीटी ओवरसीज एसोसिएटशिप ग्रहण करने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ केन्टकी, लेक्सिंगटन यूएसए की यात्रा पर सितंबर 2010 से 12 माह के लिए गए।
- डा. अमित नाथ (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर रिसर्च कांप्लेक्स उमियम, एनईएच जोन के लिए) ''पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी'' पर नॉर्थ-ईस्टर्न रीजन के लिए डीबीटी ओवरसीज एसोसिएटशिप के लिए झेजिंग यूनिवर्सिटी, हांग जोऊ, चीन की यात्रा पर अक्तूबर 2010 से तीन माह के लिए गईं।
- डा. लक्ष्मीकांत (प्रधान वैज्ञानिक, वीपीकेएएस, अल्मोड़ा) ''रस्ट रेजिस्टेंस इन न्यू व्हीट कल्टीवार्स इन इंडिया'' पर ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी, आस्ट्रेलिया प्रवास पर 30 अगस्त 2010 से 24 नवंबर 2010 पर तीन माह के लिए गए थे। यह यात्रा एयूएसएआईडी द्वारा प्रायोजित थी।
- डा. प्रियव्रत सान्त्रा (वैज्ञानिक सीएजेडआरआई क्षेत्रीय स्टेशन, जैसलमेर) ''कॉलेज आन सोशल फिजिक्स: सोशल फिजिक्स प्रोपर्टीज एंड प्रोसेस अंडर क्लाइमेट चेंज'' के ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए सेंटर फॉर थ्योरेटिकल फिजिक्स (आईसीटीपी) इटली में 30 अगस्त 2010 से 10 सितंबर 2010 यानी 12 दिन के लिए प्रवास किया।
- डा. राजकुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीडब्लयूआर, करनाल) ने ''प्लांट्स ब्रीडिंग एंड सीड प्रोडक्शन'' प्रोग्राम 2010 की ट्रेनिंग लेने के लिए स्वीडिश इंटरनेशनल कोआपरेशन एजेंसी एसआईडीए, स्वीडन की यात्रा 26 सितंबर से 1 अक्तूबर 2010 तक यानी 26 दिन के लिए की।
- डा. तपन ज्योति पुरकायास्था (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएआरआई, नई दिल्ली) ने यूएसआईइएफ फुलब्राइट नेहरू सोनिया रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम 2010-11 में भाग लेने के लिए अक्तूबर 2010 से छह माह के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ जार्जिया, एथेंस, यूएसए भ्रमण पर गए।
- डा. देवेन्द्र कुमार (वैज्ञानिक, एसएस, सीएसडब्ल्युआरआई अविका नगर) ने ''एनिमल प्रोडक्शन एंड हेल्थ'' की ट्रेनिंग कोर्स के लिए 1 अक्तूबर से 15 दिसंबर 2010 तक यानी 76 दिन की ईआईसीए, जीजीआईजेडए इजिप्ट में प्रवास किया।
- डा. गोपाल कृष्णन एस (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएआरआई, नई दिल्ली) ने ''मोलेक्यूलर मारकर एसिस्टेड प्लांट ब्रीडिंग'' के क्षेत्र में डीएसटी के बीओवाईएससीएएसटी फेलोशिप 2009-10 को ग्रहण करने के लिए अक्तूबर 2010। सितंबर 2011 यानी 12 माह के लिए सेंटर फॉर प्लांट्स कंजरवेशन एंड जेनेटिक्स साउथ क्रॉस यूनिवर्सिटी, लिसमोर एनएसडब्ल्यू 2480, आस्ट्रेलिया के प्रवास पर हैं।
- श्री ललित लक्ष्मण खरबीकर (वैज्ञानिक, सीआरआईजेएएफ बैरकपुर, कोलकाता) पीएचडी करने के लिए हार्पर एडम्स यूनिवर्सिटी कॉलेज, यूके की यात्रा पर सितंबर-अक्तूबर 2010 से तीन साल के लिए हैं।
- डा. रंजय कुमार सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसएसआरआई करनाल) यूएसआईईएफ फुल ब्राइट नेहरू इनवायरमेंटल लीडरशिप प्रोग्राम 2010-11 में भाग लेने के लिए 1 फरवरी 2011 से चार माह के लिए यूनिवर्सिटी आफ मिशीगन, यूएसए की यात्रा करेंगे।
- डा. सी. टोस और डा. एस. नागराजन (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एचएसएडीएल, आईवीआरआई कैंपस, भोपाल) संयुक्त

रूप से ''सर्पोटिंग अर्ली वार्मिंग एंड सर्विलांस ऑफ एवियन इन्फेक्शन इन वाइल्ड एंड डोमेस्टिक बर्ड्स एंड असिसिंग जेनेटिक मारकर्स फार बर्ड रेसिस्टैंस'' के क्षेत्र में, टेक्निकल कोआपरेशन रीजनल प्रोजेक्ट आरईआर 15/015 के तहत रीजनल ट्रेनिंग कोर्स में शामिल होने के लिए एफएओ/आईएईए, सेईबर्सडॉर्फ, आस्ट्रेलिया की यात्रा 10 सितंबर से 1 अक्तूबर 2010 यानी 12 दिन के लिए की।

- डा. के.वी. राजेन्द्रन (प्रधान वैज्ञानिक, सीआईएफई, मुंबई) ने यूएसआईईएफ फुल ब्राइट नेहरू सीनियर रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम 2010-11 को ग्रहण करने के लिए 1 फरवरी से 30 सितंबर 2011 यानी आठ माह के लिए अबर्न यूनिवर्सिटी, यूएस की यात्रा पर हैं।
- डा. सुरेश कुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईजीएफआरआई झांसी) ''लाइफ साइंस'' पर इंडो-यूएस रिसर्च फेलोशिप को ग्रहण करने के लिए 18 अक्तूबर 2010 से 17 अक्तूबर 2011 यानी 12 माह के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया, रिवरसाइड, यूएसए, की यात्रा पर हैं।
- डा. एम. मुरलीधर (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीआईबीए चेन्नई) ''इस्ट्रेथिंनिंग एडाप्टिव कैपेसिटीज टू द इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज इन रिसोर्स पुअर स्माल-स्केल एक्युकल्चर एंड एक्युटिक रिसोर्सेस डेपेन्डेंट सेक्टर इन साउथ एंड साउथ-ईस्ट एशियन रीजन'' विषय पर एक्वा-क्लाइमेट प्रोजेक्ट पर सलाना बैठक में भाग लेने के लिए 7 और 8 अप्रैल को थाईलैंड की यात्रा पर गए। यह बैठक एनएसीए, बैंकाक द्वारा आयोजित थी।
- डा. बी.के. जोशी (निदेशक, एनबीएजीआर, करनाल) एफएओ की गाइडलाइन के तहत विवो कंजरवेशन एनिमल जेनेटिक रिसोर्स विषय पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए 19 से 23 अप्रैल तक इटली की यात्रा की। यह प्रोग्राम एफएओ, कोमो, इटली द्वारा आयोजित था।
- सेनदास (परियोजना निदेशक, डीएमआर) और श्री ए प्रभाकरन (उप सचिव, डेयर) बंगला देश में आयोजित ''इनसेप्शन वर्कशाप आफ द एसएएआरसी इनेसिएटिव ऑन रीजनल फूड सिक्योरिटी'' में शामिल होने के लिए 19 और 20 मई को ढाका गए।
- डा. सुबोध जोशी (प्रधान वैज्ञानिक, डिवीजन ऑफ वेजीटेबल सांइस, आईएआरआई, नई दिल्ली) ने बीजिंग चीन में स्थिति ''वेजीटेबल एंड फ्लावर्स परटेनिंग टू चाइनीस एकेदमी आक एग्रीकल्चर सांइस'' के 18 संस्थानों का दौरा करने के लिए 25 मई से 4 जून 2010 तक गए।
- डा. दिलीप कुमार (निदेशक, सीआईएफई, मुंबई) ने ''इनहैंसिंग द कंट्रीब्यूशन ऑफ स्माल स्केल एक्यूकल्चर्स टू फूड सिक्योरिटी पॉवर्टी एलेविएशन एंड सोसिओ-इकनामिक डेवलपमेंट'' विषय पर एफएओ विशेष वर्कशाप में भाग लेने के लिए थाईलैण्ड की यात्रा की। यह यात्रा 21 से 24 अप्रैल के बीच की गयी।
- डा. ज्योति मिश्री (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एएच] आईसीएआर) ने ''रीजनन सोसिओ-इकोनामिक्स-इमपैक्ट एसेसमेंट ऑफ हाइली पैथोजेनिक एवियन इनफ्लूएंजा इन साउथ साउथ-ईस्ट एशिया'' के संबंध में आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए बैंकाक 28 से 29 अप्रैल 2010 के लिए गए।
- डा. एस. एस. सिंह (परियोजना निदेशक, डीडब्ल्यूआर करनाल) ने काबुल, अफगानिस्तान में आयोजित ''यूटीलाजेशन ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी टू एलेविएट पॉवर्टी एंड एनसयोर फूड सिक्योरिटी इन डेवेलपमेंट ऑफ कंट्रीज़'' विषय पर एसएएआरसी द्वारा आयोजित सेमिनार में भाग लेने के लिए 15 से 16 जून 2010 को यात्रा की।
- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव डेयर और डीजी, आईसीएआर) ने फिलीपींस में ''आईआरआरआई इन द इनवेस्टमेंट फोरम फॉर फूड सिक्योरिटी इन एशिया एंड पेसिफिक'' पर आयोजित मीटिंग मे भाग लेने के लिए 7 और 9 जुलाई 2010 को यात्रा की।
- डा. एन. लांगानधन प्रतिनियुक्ति में विस्तार मिलने से आईसीआरआईएसएटी-डब्ल्यूडब्ल्यूएफ पंटेनचेरू, आन्ध्र प्रदेश में आईसीआरआईएसएटी - परियोजना के लिए 31 दिसम्बर 2011 से एक वर्ष के प्रवास पर हैं।
- डा. एन. एच. राव (संयुक्त निदेशक, एनएएआरएम हैदराबाद) ने ''फूड सिक्योरिटी एसेसमेंट अंडर क्लाईमेट चेंज'' विषय पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए हनोई, वियतनाम 4 व 5 जुलाई 2010 को गए। यह वर्कशाप सीएएसपीएसए/यूएनईएससीएपी के तहत जापान सरकार के तकनीकी सहयोग से आयोजित की गयी।
- डा. एच.पी. सिंह, डीडीजी बागवानी ने आईएसएचएस लिस्बन पुर्तगाल में आयोजित आईएसएचएस, संयुक्त कार्यकारी कमेटी और परिषद की मीटिंग में भाग लेने के लिए 20 से 26 अगस्त तक यात्रा की।
- डा. बी. वेंकटेशवर लू (निदेशक, सीआरआईडीए, हैदराबाद) ने काबुल में ''ड्राउट रिस्क मैनेजमेंट'' विषय पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए 8 से 9 अगस्त तक यात्रा की।
- डा. अम्बेकर ई. एकनाथ (निदेशक, सीआईएफए, भुवनेश्वर उड़ीसा), डा. ए.जी. पोन्नैह (निदेशक, सीआईबीए चेन्नई) और डा. जे. के. जेना (प्रमुख, एक्यूकल्चर प्रोडक्शन एंड इंवायरमेंट डिवीजन सीआईएफई, भुबनेश्वर, उड़ीसा) ने नेटवर्क आफ एक्यूकल्चर सेंटर, इन एशिया, पैसिफिक द्वारा पुकेत, थाईलैण्ड में एक्यूकल्चर 2010 पर ग्लोबल कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए 22 से 25 सितम्बर 2010 तक प्रवास किया।
- डा. वाई.पी. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, सीएसएसआरआई-आरआरएस, लखनऊ) ने आईआरआरआई-ईस्ट एंड सउथर्न अफ्रीका रीजनल ऑफिस मे कंसन्टैट बनकर तंजानिया में 1 सितम्बर 2010 से 31 अगस्त 2010 तक प्रवास करेंगे।
- डा. टी.पी. त्रिवेदी (परियोजना निदेशक, दीपा) बैंकाक थाईलैंड में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान सूचना तंत्र, एशिया पैसिफिक रीजन के लिए आईसीटी/आईसीएम विषय पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने को 14 से 16 सितम्बर 2010 की अवधि के लिए गए।
- श्री राजीव महर्षि (अतिरिक्त सचिव, डेयर और सचिव आईसीएआर) ने आईएनसीएएनए की चौथी स्टीयरिंग कमेटी की कुछ कंसलटैंट विशेषज्ञों के साथ आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए 10 से 12 सितम्बर 2010 तक कैरो, इजिप्ट की यात्रा की।
- सुश्री ऊषा के. खेमचंदानी (इंचार्ज, आईएआरआई लाइब्रेरी सर्विस) आईसीटी/आईसीएम पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए 14 से 17 सितम्बर 2010 तक बैंकाक

की यात्रा पर रहीं।

- डा. बी सिंह (परियोजना समन्वयक, आईआईवीआर वाराणसी) ने ढाका, बंगलादेश की यात्रा एसएएआरसी जापान स्पेशल फंड के लिए की। यह यात्रा 8 व 9 अक्टूबर के मध्य अवधि की थी।
- डा. रमेश चंद (निदेशक, एनसीएपी पूसा) ने सार्क पर कृषि और ग्रामीण विकास पर तकनीक विषय पर 6वीं बैठक में भाग लेने के लिए ढाका, बंगलादेश की 9 से 12 अक्टूबर तक की यात्रा की।
- श्री चमन कुमार (अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार, डेयर) एफएओ के हेडक्वार्टर (एचक्यू) रोम, इटली में आयोजित वर्ल्ड फूड सिक्योरिटी कमेटी की बैठक के 36वें सेशन में भाग लेने के लिए 11 से 14 और 16 अक्टूबर तक प्रवास किया।
- डा. रमेश चंद (निदेशक, एनसीएपी) ने एसएएआरसी की चौथी मीटिंग मे भाग लेने के लिए 24 से 26 अक्टूबर के मध्य ढाका, बंगलादेश में प्रवास किया।
- डा. एस राजन (एडीजी, बागवानी) इंडोनेशिया स्थित टोपस गैलेरिया होटल में आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए 1 से 3 नवंबर के मध्य यात्रा की।
- डा. एम. मुरलीधर (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीआईबीए चेन्नई) ने एनएसीए पर एक्वा-कलायमेट प्रोजेक्ट वर्कशाप में भाग लेने के लिए, बैंकाक, थाईलैंड की यात्रा 29 से 30 नवंबर 2010 के मध्य की।
- डा. एन.पी.एस सिरोही, एडीजी (इंजीनियरिंग) क्वालालमपुर में आयोजित वर्कशाप यूएनएपीसीएईएम, स्टेटेजिंग प्लानिंग में शामिल होने के लिए गए।
- डा. (सुश्री) कविता गुप्ता (वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लांट क्वारनटाइन डिवीजन, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली) ने वालिंगफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित कम्पेन्डियम कनसोर्टियम वर्कशाप 2010 में भाग लेने के लिए 16 से 17 नवंबर 2010 के मध्य यात्रा की।
- डा. वी.एस. महापात्रा, निदेशक सीआरआईजे और एएफ बैरकपुर, कोलकाता ने सोसाइटी ऑफ एग्रोनामी विषय 9वीं द्विवार्षिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ढाका बंगलादेश की यात्रा 6 से 7 अक्टूबर के मध्य की।

ताईवान लाइव-स्टॉक रिसर्च इंस्टीट्यूट, चीन, ताइपेई में 'एसिस्टेड रिप्रोडक्टिव, टेक्नोलोजीस लाइवस्टोक इमप्रूवमेट' विषय पर एपीएएआरआई ट्रेनिंग कोर्स के लिए नामांकन के लिए 24 से 28 अक्टूबर 2010 के मध्य यात्रा का विवरण।

- डा. एन. गोपाल कृष्णन (प्रमुख, सीआईसीआर केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र) ने आईएनसीएएनए की चौथी स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में भाग लेने के लिए कैरो की यात्रा 10 से 12 अक्टूबर के मध्य की।
- डा. एस आनंदन (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनआईएनएन एंड पी बंगलूरू) ने विशेषज्ञ के तौर पर ''मीटिंग टू डेवलप गाइड लाइन फार प्रेपेयरिंग एंड मेंटेनिंग नेशनल एनीमल फीड इनवेंटोरीज'' में भाग लेने के लिए एफएओ रोम, इटली की यात्रा 25 से 27 अक्टूबर 2010 के मध्य की।
- डा. एम कुमारन (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीआईबीए चेन्नई) ने एनएसीए पर एक्वा-क्लामेट प्रोजेक्ट वर्कशाप में भाग लेने के लिए बैंकाक, थाईलैंड 1 से 3 नवंबर के मध्य प्रवास किया।

बॉगलौग फेलोशिप प्रोग्राम, कॉरनेल यूनिवर्सिटी प्रोग्राम और अन्य बाइलैटरल प्रोग्राम के तहत वैज्ञानिकों की यात्रा

- डा. टी.के. बेहरा (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डिवीजन ऑफ वेजीटेबल सांइस, आईएआरआई) वेजीटेबल ब्रीडिंग पर एफएओ प्रोग्राम के तहत कंसल्टेन्सी देने के एफएओ कंसल्टेन्ट के रूप में 20 मार्च से 18 अप्रैल 2010 के मध्य लाइब्या की यात्रा की।
- डा. एस. आनंदन (वरिष्ठ वैज्ञानिक, पशु एनिमल न्यूट्रीशन डिवीजन, एनआईएएनपी, बंगलुरू) ने आईएलआरआई द्वारा आईसीआरआईएसएटी, पटेनचुरू, आन्ध्र प्रदेश के निमंत्रण पर कंसल्टेंट के रूप में 45 दिन की यात्रा आईएलआरआई की परियोजना के तहत की।
- डा. टी.पी. राजेन्द्रन, एडीजी(पीपी) ने हारमोनाइजेशन ऑफ बायोपेस्टीसाइड्स रेजिस्ट्रेशन पर प्रोजेक्ट टीसीडीसी विशेषज्ञ एफएओ के लिए दो मिशन में, अगस्त से 30 नवंबर 2010 तक की यात्रा की। यह यात्रा प्रोजेक्ट टीसीपी/आरएएस 3212 के तहत थी।
- डा. रमेश चंद्र (निदेशक, एनसीएपी, पूसा नई दिल्ली) ने ''फूड एंड एग्रीकल्चर पोलिसी एनालिसेस कैपेसिटी स्ट्रेंगनिंग'' विषय पर एफएओ की वर्कशाप में शामिल होने के लिए 30 अगस्त से 5 सितंबर 2010 के मध्य यात्रा की।
- भूटान में ''आर्गेनिक प्रोडक्शन आफ अंडर यूटीलाइस्ड मेडिसनल एरोमैटिक एंड नेचुरल डाई प्लांट्स प्रोग्राम ऑफ सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स साउथ एशिया'' संयुक्त सहयोग में प्रोजेक्ट डीएमएपीआर, आनंद गुजरात के लिए सलाहकार परियोजना प्रापोजल।
- डा. डी.सी. भंडारी (निदेशक, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली) ने एग्रीकल्चर डेवलपमेंट और एग्रो बायोडाइवर्सिटी इन एशिया पेसिफिक रीजन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए 12 से 15 सितंबर 2010 तक कोरिया की यात्रा की।
- डा. बी. मीना कुमारी (डीडीजी, फिशरीज) ने एक्वाकल्चर 2010 और 21वीं जीसीएम-21 में एनएसीए के सदस्य के रूप मे थाईलैंड मे आयोजित ग्लोबल कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए 21 से 25 सितंबर तक प्रवास किया।
- अनिकेत सन्याल (प्रधान वैज्ञानिक, खुर-और-मुंह की बीमारी परियोजना निदेशालय, आईवीआरआई कैंपस, मुक्तेश्वर) यूनाइटेड किंगडम की यात्रा पर 1 से 3 अक्टूबर के मध्य प्रवास किया।
- डा. बी. सिंह (परियोजना, समन्वयक, आईआईवीआर, वाराणसी) ने ढाका, बंगलादेश में आयोजित एसएएआरसी स्पेशल फंड (एसजेएसएफ) के लिए 8 से 9 अक्टूबर 2010 के मध्य यात्रा की।

आईसीएआर और जीसी सेंटर 2010 के लिए इंटरनेशल डेप्यूटेशन और ट्रेनिंग। जिसकी वित्तीय व्यवस्था सीजी सेन्टर या साझा परियोजना के तहत की गयी

- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव डेयर और डीजी, आईसीएआर) ने कारनेल यूनिवर्सिटी ईथका, न्यूयार्क, यूएसए की यात्रा 8 सितंबर 2010 को की।
- डा. एन. नदराजन (निदेशक आईआईपीआर, कानपुर) ने अनाटालया, तुर्की में आयोजित 5वीं अंतरराष्ट्रीय खाद्य लेगम्स रिसर्च कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए 26 से 30

अप्रैल 2010 तक यात्रा की। साथ ही पोस्ट-कांफ्रेंस टूर में आईसीएआरडीए सीरिया की यात्रा 1 से 5 मई 2010 तक की।

- डा. लक्ष्मीकांत (वरिष्ठ वैज्ञानिक, वीपीकेएएच, अल्मोड़ा) ने व्हीट इम्प्रूवमेंट पर सीआईएमएमवाईटी(एचक्यूआरएस) में ई1 बाटन रिसर्च स्टेशन, सियूडैड, ओबेरगांव, मैक्सिको में आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लेने के लिए 15 फरवरी से 14 मई 2010 तक यात्रा की।
- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव डेयर और महानिदेशक आईसीएआर) ने ढाका में राइस व्हीट कनसोर्टियम पर 16वीं क्षेत्रीय स्टीयरिंग कमेटी की मीटिंग मे भाग लेने के लिए 1 से 2 अक्टूबर के मध्य बंगलादेश प्रवास किया।
- डा. आर. सेलवाकुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, करनाल) ने ''व्हीट इमप्रूवमेंट पैथोलाजी'' पर आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लेने के लिए सीआईएमएमवाईटी मैक्सिको की यात्रा 15 फरवरी से 14 मई 2010 के मध्य की।
- डा. ए. के. सिंह (डीडीजी, एनआरएम) और डा. सी. एस. प्रसाद (एडीजी, पीआईएम) ने सीजीआईएआर इंडेपेन्डेट साइंस पार्टनरशिप के तहत आयोजित की गयी पहली मीटिंग में भाग लेने के लिए आईसीएआरडीए सीरिया में प्रवास 14 से 16 अप्रैल के मध्य किया।
- डा. आर.एस. मीणा (वैज्ञानिक, एसएस, एनआरसीएसएस, अजमेर राजस्थान); डा. (श्रीमति) अनिता बब्बर (चिकपी, ब्रीडर, जेएनकेवीवी, जबलपुर, मध्य प्रदेश); श्री एल.बी. महासे, (चिकपी, ब्रीडर, एमजीकेवी, रहुरी, महाराष्ट्र); डा. ज्ञानेन्द्र सिंह, (लेन्टिल ब्रीडर) वीपीकेएएस अल्मोड़ा उत्तराखण्ड; डा. एच.सी. नंदा, (लाथीरस ब्रीडर, आईजीकेवीवी, रायपुर, छत्तीसगढ़); और डा. एस.एस. पुनिया (लेनटिल, ब्रीडर, एग्रीकल्चर रिसर्च स्टेशन, कोटा, एमपीयूए और टी राजस्थान) आदि ने आईसीएआरडीए एलेप्पो, सीरिया में ब्रीडर ट्रेनिंग के लिए 25 अपैल से 7 मई 2010 के मध्य प्रवास किया।
- डा. संजीव गुप्ता (प्रधान वैज्ञानिक, आईआईपीआर, कानपुर) ने तुर्की में आयोजित 5वीं इंटरनेशल फूड लेगम्स रिसर्च कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए 26 से 30 अप्रैल के मध्य प्रवास किया। साथ ही आईसीएआरडीए, अनटाल्या, सीरिया में पोस्ट कांफ्रेंस टूर के तहत 1 से 5 मई 2010 तक की यात्रा की।
- डा. एम.एम. पाण्डेय (उप महानिदेशक, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, आईसीएआर एचक्यू) ने चीन में आयोजित तीसरी ग्लोबल फोरम आफ लीडर फॉर एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (जीएलएएसटी-2010) में भाग लेने के लिए 12 से 14 अगस्त 2010 तक हारबिन, हेइलागजिंमांग प्रोविन्स, चीन में प्रवास किया। इनका सहयोगी प्रायोजक सीएएएस और सीजीआईएआर था।
- डा. जगजीत सिंह लोरे (उप प्लांट पैथोलाजिस्ट, प्लांट ब्रीडिंग और जेनेटिक, विभाग) ने डा. लैटीटिया विलोकक्यूट (वैज्ञानिक प्लांट्स पैथोलाजी, पीबीजीबी डिवीजन आईआरआरआई) के साथ काम करने के लिए मनीला, फिलीपिंस की यात्रा पर 8 मार्च से 5 अप्रैल 2010 तक गए। यह सांझा रिसर्च प्रोजेक्ट है।
- श्री राजीव महर्षि (अतिरिक्त सचिव, डेयर और सचिव, आईसीएआर) ने बर्लिंन जर्मनी में सीजीआईएआर फंड पर प्रशासनिक सहमति के लिए आयोजित वर्कशाप में शामिल होने के लिए 12 से 13 अप्रैल 2010 के मध्य यात्रा की।
- डा. चिकप्पा जी. कारजगी (वैज्ञानिक, निदेशालय ऑफ मैज रिसर्च, आईएआरआई, नई दिल्ली) ने मेज मोलक्यूलर ब्रीडिंग पर मैक्सिको में आयोजित ट्रेनिंग कोर्स में शामिल होने के लिए 5 से 16 अप्रैल 2010 के मध्य मैक्सिको में प्रवास किया। यह सीआईएमएमवाईटी (एचक्यू) ई1 बातन द्वारा प्रायोजित थी।
- डा. एस अय्यप्पन (सचिव डेयर और डीजी आईसीएआर) 14वीं वार्षिक मीटिंग पार्टनरशिप आफ राइस रिसर्च इन एशिया काउंसिल में भाग लेने के लिए 11 से 12 अक्टूबर 2010 को मध्य कोरिया की यात्रा की और एसोसिएशन आफ एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूशनल की जनरल एसेम्बली मीटिंग में भाग लेने के लिए 13 से 15 अक्टूबर 2010 तक यात्रा की।
- डा. एस.के. शर्मा (निदेशक, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली) ने बायोडायवर्सिटी इंटरनेशनल में भाग लेने के लिए 28 से 29 अप्रैल 2010 के मध्य बोलोंगा की यात्रा की।
- डा. एस.एस. सिंह (परियोजना निदेशक) और डा. मोहिन्दर प्रसाद (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, फ्लावरडेल, शिमला) और रवीश चतर्थ (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, करनाल) आगामी बोरलौग ग्लोबल ट्रस्ट इनेशिएटिव 2010 वर्कशाप में भाग लेने के लिए 30 से 31 मई 2010 तथा इंटरनेशनल व्हीट कांफ्रेंस 1 से 4 जून 2010 में भाग लेने के लिए सेंट पीटरबर्ग, रूस की यात्रा पर गए।
- डा. एम.ए. खान (निदेशक, आरसीईआर, पटना) ने ''इमप्रोविंग वाटर प्रोडक्टीविटी ऑफ क्रॉप लाइवस्टोक सिस्टम वेनीफिटिंग टू पुअर एंड इनवायरमेंट'' विषय पर इथोओपिया में आयोजित तीन दिवसीय कांफ्रेंस में शामिल होने के लिए 20 से 22 अप्रैल 2010 के मध्य यात्रा की।
- डा. पी.के. अग्रवाल (प्रधान वैज्ञानिक और नेशनल प्रोफेसर, इनवायरमेंटल सांइस, आईएआरआई, नई दिल्ली) ने नैरोबी, केन्या में आयोजित ''बिल्डिंग फूड सेक्योरिटी इन द फेस आफ क्लाइमेट चेंज'' पर आयोजित कांफ्रेंस में शामिल होने और सीसीएएफएस में वैज्ञानिक (साइंटफिक) पेपर की प्रस्तुति देने 4 से 7 मई 2010 के मध्य यात्रा पर गए।
- डा. एम.ए. खान (निदेशक आरसीईआर, पटना) ने इंटरनेशल डेवलपमेंट इन एग्रीकल्चर एंड फूड (आईएसडीए, 2010) में भाग लेने के लिए मोन्टपेलियर, फ्रांस की यात्रा 28 जून से 1 जुलाई 2010 तक की।
- डा. तपन कुमार अध्या (निदेशक, सीआरआरआई, कटक) और आर.पी. दुआ (एडीजी, एफएफसी) ने 9वीं सीयूआरई रिव्यू और स्टीयरिंग कमेटी मीटिंग में भाग लेने के लिए सीएम रीप, कम्बोडिया की यात्रा 3 से 6 मई 2010 के मध्य की।
- डा. एस.के. शर्मा (निदेशक, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली) ने ''इनवेंटरी आफ जेनेटिक स्टाक कलेक्शन विषय पर सीजीआईएआर सयुंक्त कार्यक्रम, बायोडायवर्सिटी

इंटरनेशनल'' द्वारा आयोजित दो दिवसीय मीटिंग में भाग लेने के लिए 28 से 29 अप्रैल के मध्य इटली की यात्रा की।

- प्रो. एस. के. दत्ता (डीडीजी, फसल विज्ञान) ने आईआरआरआई की 50वीं एल्युमिनी होमकमिंग में भाग लेने के लिए फिलीपिंस की यात्रा पर 19 से 24 अप्रैल 2010 के मध्य गए।
- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव डेयर और महानिदेशक आईसीएआर) ने इटली, रोम में सीजीआईएआर फाउंडर फोरम की शुरूआती मीटिंग में भाग लेने के लिए 15 जुलाई 2010 को इटली की यात्रा की। इस मौके पर 16 जुलाई 2010 को फंड कांउसिल की मीटिंग आयोजित हुई। इसमें श्री अय्यप्पन के साथ श्री राजीव महर्षि (अतिरिक्त सचिव डेयर और सचिव आईसीएआर) और श्री राजेश रंजन निदेशक डेयर ने 1 से 2 नवंबर के मध्य वाशिंगटन डीसी यूएसए, में आयोजित फंड काउंसिल की मीटिंग में शामिल होने गए। कनसल्टेटिव ग्रुप आन इंटरनेशनल एग्रीकल्चर रिसर्च (सीजीआईएआर) की फंड काउंसिल की मीटिंग में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्ति पर श्री रविन्दर पट्टा, निदेशक (वित्त) आईसीएआर, श्रीमति सुमिता दास गुप्ता (अवर सचिव, सीजी) और श्री रूपक चौधरी (अवर सचिव आईसी-3, डेयर) ने इटली की यात्रा 14 से 16 जुलाई 2010 के मध्य की।
- डा. जितेन्द्र कुमार (प्रधान वैज्ञानिक, जेनेटिक आईएआरआई, नई दिल्ली) ने अटाल्या, तुर्की में आयोजित 5वीं इंटरनेशनल फूड लेगम्स रिसर्च कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए 26 से 30 अप्रैल 2010 के मध्य तुर्की की यात्रा की। 1 से 5 मई 2010 के मध्य आईसीएआरडीए, सीरिया में पोस्ट कांफ्रेंस टूर के तहत यात्रा की।
- डा. ए.के. सिंह (डीडीजी, एनआरएम), डा. एस.एस सिंह (निदेशक, डीडब्ल्यूआर, करनाल) और डा. रमेश चन्द्रा (निदेशक, एनसीएपी, नई दिल्ली) ने आईसीएआरडीए के अनुसंधान कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 17 से 22 मई 2010 के मध्य सीरिया की यात्रा की।
- डा. पी.के. जोशी (निदेशक नार्म, हैदराबाद) ने ''प्लानिंग वर्कशाप और स्टीयरिंग कमेटी मीटिंग आफ चैलेंज प्रोग्राम ऑन क्लाईमेट चेंज, एग्रीकल्चर और फूड सिक्योरिटी'' में भाग लेने के लिए नैरोबी, केन्या की यात्रा 3 से 8 मई 2010 के मध्य की।
- डा. एस.के. शर्मा (निदेशक, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली) ने इटली, रोम में (सीजीआईएआर) डेवलप द क्रॉस-कटिंग काम्पोनेंट इन जेनेटिक रिसार्सेज पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए 5 से 6 मई के मध्य इटली की यात्रा की।
- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव, डेयर महानिदेशक आईसीएआर) बोरलौग ग्लोबल रस्ट इनीसिएटिव 2010 पर रूस में आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए सेंट पीटरसबर्ग की यात्रा पर 30 से 31 मई 2010 के मध्य गए।
- डा. सुरेश पाल (प्रमुख, कृषि अर्थशास्त्र विभाग) ने बैंकाक, थाईलैंड में ''मीजरिंग एंड एनालाइजिंग एग्रीकल्चर आर एंड डी इनवेस्टमेंट एंड कैपेसिटी ट्रेंड इन साउथ एशिया'' विषय पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए 29 से 30 अप्रैल 2010 के मध्य यात्रा की।
- डा. जी.जी.एस.एन. राव (परियोजना समन्वयक कृषि मीटरोलॉजी) और डा. वी.यू.एम. राव (प्रधान वैज्ञानिक सीआरआईडीए, हैदराबाद) ने ''वूलनटेबिलिटी टू क्लाइमेट चेंज: एडाप्शन स्ट्रेटजीस एंड लायर्स आफ रेजीलांयस'' परियोजना की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में बंगलादेश की यात्रा 3 से 7 मई 2010 के मध्य की। यह समीक्षा बिल्डिंग क्लाईमेट रेसीलाइंस एग्रीकल्चर इन एशिया पर पोलिसी वार्ता के लिए थी।
- डा. एस.के. दत्ता (डीजीपी, फसल विज्ञान, आईसीएआर) ने बोटलौग ग्लोबल रस्ट इनीसिएटिव 2010 पर सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिए 30 से 31 मई 2010 तक गए। इस मौके पर 8वीं इंटरनेशनल व्हीट कांफ्रेंस पीटर्सबर्ग मे आयोजित की गयी।
- श्री आर.के. साहू (वैज्ञानिक एसजी, सीआरआरआई, कटक) ने ''क्वालिटी राइस सीड प्रोडक्शन'' पर आयोजित ट्रेनिंग वर्कशाप में भाग लेने के लिए बंगलादेश राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, गाजीपुर बंगलादेश की यात्रा 9 से 15 मई के बीच की।
- डा. मोहिन्दर प्रसार (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, फ्लावरडेल, शिमला) ने रस्ट सर्विलांस एंड जेन डेप्लायोमेंट पर आयोजित मीटिंग से पूर्व भाग लेने के लिए सेंट पीटर्सबर्ग रूस की यात्रा 27 से 28 मई 2010 के मध्य की।
- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव डेयर और महानिदेशक, आईसीएआरआई) ने आईआरआरआई के ओवरव्यू प्रोग्राम 5 से 9 जुलाई 2010 के मध्य लास बैनोस, फिलीपिंस आयोजित किया गया में भाग लेने के लिए फिलीपींस की यात्रा की। इससे संबंधित कार्यक्रम 5 से 6 जुलाई 2010 के मध्य लॉस बैनोस, फिलीपींस में आयोजित थे। इस मौके पर मनीला में आयोजित इनवेस्टमेंट फोरम फार फूड सिक्योरिटी इन एशिया एंड द पैसेफिक में भी भाग लिया।
- डा. इन्दू शर्मा (वरिष्ठ प्लांट पैथोलाजी, व्हीट डिपार्टमेंट आफ प्लांट ब्रीडिंग एंड जेनेटिक पीएयू, लुधियाना), डा. अंजू एम. सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डिवीजन आफ जेनेटिक, आईएआरआई, नई दिल्ली), डा. विनोद तिवारी (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, करनाल), डा. के.वी. प्रभु (प्रमुख, डिवीजन आफ जेनेटिक, आईएआरआई, नई दिल्ली), डा. ज्ञानेन्द्र सिंह (प्रधान वैज्ञानिक) और डा. (श्रीमति) सिंधु सरीन (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, करनाल) और डा. रतन तिवारी और डा. एम.एस. सहारन (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, करनाल) बोरलौग ग्लोबल रस्ट एनीसिएटिव 2010 वर्कशाप और आठवीं इंटरनेशल कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए सेंट पीटर्सबर्ग, रूस की यात्रा पर 30 से 31 से 31 मई, 2010 और 1 से 4 जून 2010 के मध्य गए।
- डा. पी.के. जोशी (निदेशक, एनएएआरएम, हैदराबाद) ने आईसीएआरडीए की रिसर्च आन फूड लेगूम्स पर सेन्ट्रल कमीशंड एक्सटर्नल रिव्यू की मीटिंग में भाग लेने के लिए एलेप्पो, सीरिया में 27 मई से 1 जून 2010 तक प्रवास किया।

- डा. कृष्णा श्रीनाथ (निदेशक, डीआरडब्ल्यू, भुवनेश्वर) ने ''रिपोजशनिंग पार्टीसिपेटरी रिसर्च एंड जेन्डर एनालिसेस इन टाइम्स आफ चेंज'' एक्शन वर्कशाप में भाग लेने के लिए इंटरनेशनल सेन्टर फार ट्रोजिकल एग्रीकल्चर काली, कोलंबिया, साउथ अमेरिका की यात्रा 16 से 18 जून 2010 के मध्य की।
- डा. आर.पी.एस. वर्मा (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूआर, करनाल) ने आईसीएआरडीए एक्वाशर से सम्बन्धित बारले रिसर्च एक्टीविटीज में भाग लेने के लिए 28 मई से 2 जून 2010 तक सीरिया की यात्रा की।
- डा. एस.एस. सिंह (परियोजना निदेशक, डीडब्ल्यूआर, करनाल) आईएपी-एमएडब्ल्यूबी के तहत व्हीट क्वालिटी प्रोजेक्ट प्लान के विकास के लिये 14 से 24 जून 2010 के मध्य आस्ट्रेलिया की यात्रा की।
- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव डेयर और डीजी, आईसीएआर) और श्री राजीव महर्षि (अतिरिक्त सचिव डेयर और सचिव आईसीएआर) कृषि के क्षेत्र में भविष्य में अनुसंधान के लिए सीआईएमएमवाईटी, बीएमजीएफ और यूएसएआईडी की ओर से निमंत्रण पर यूएसए की यात्रा पर 14 से 19 जून 2010 के मध्य गये।
- डा. आई. सेकर (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डिवीजन आफ एग्रीकल्चर एकनामिक्स, आईएआरआई, नई दिल्ली) ने आईएसपीसी वर्कशाप में भाग लेने के लिये स्टनवुल, तुर्की की यात्रा 1 से 3 जून 2010 के मध्य की।
- डा. टी.आर. शर्मा (प्रधान वैज्ञानिक, प्लान्ट बायोटेक्नालॉजी पर एनआरसी, नई दिल्ली) प्लान्ट ब्रीडर्स के लिये डाटा मैनेजमेन्ट पर आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिये जारागोजा स्पेन की यात्रा पर 30 मई से 4 जून 2010 के मध्य की।
- डा. आर. कल्पना सास्त्री (प्रमुख एआरएसएमपी डिवीजन) और डा. एस.के. सोम (प्रधान वैज्ञानिक, एनएएआरएम, हैदराबाद) ने सीएएस-आईपी की एनुवल नेशनल पार्टनर इनीसिएटिव की मींटिग में भाग लेने के लिये वाशिंगटन डीसी, यूएसए की यात्रा 13 से 19 जून 2010 के मध्य की।
- डा. एस.के. चक्रबर्ती (प्रमुख, प्लान्ट प्रोडक्शन, सीपीआरआई, शिमला) ने एग्री बिजनेस मैनेजमेन्ट प्रोग्राम कोर्स 2010 में भाग लेने के लिये इथाका, न्यूयार्क, यूएसए की यात्रा 21 से 29 जून 2010 के मध्य एबीएसपी-II के तहत की।
- डा. हिमांशु पाठक (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डिवीजन आफ इन्वायरमेन्टल साइंस आईएआरआई, नई दिल्ली) ने ''सोयल कार्बन सेक्यूसट्रेशन एण्ड कार्बन क्रेडिट्स'' पर बिल और मिलिन्डा गेट्स फाउन्डेशन द्वारा आयोजित कांफ्रेंस सिएटल, यूएसए की यात्रा 8 से 9 जून 2010 के मध्य की
- डा. एस.के. शर्मा (निदेशक, एनबीपीजीआर नई दिल्ली) ने ''ग्लोबल इन्फोर्मेशन आन जर्म प्लाज्म एक्सेशन मीटिंग बायोवरसिटी इंटरनेशनल (एच.क्यु.आर.एम.) पर तीसरी इंटरनेशनल स्टीयरिंग मीटिंग में भाग लेने के लिये मैकसायर (रोम), इटली के भ्रमण पर 22 से 24 जून 2010 के मध्य गये।
- डा. के. सामी रेड्डी (प्रधान वैज्ञानिक, आईआईएसएस भोपाल) ने सोयल साइंस पर यूनिवर्सिटी आफ क्युइंस लैंड बीसवैन आस्ट्रेलिया में आयोजित 19वीं वर्ल्ड कांग्रेस में भाग लेने के लिये 1 से 6 अगस्त 2010 के मध्य यात्रा की। इस मौके पर ''इंटेग्रेटेड न्युट्रीशियन मैनेजमेंट इन सोयाबीन/व्हीट क्रोपिंग सिस्टम पर आस्ट्रेलिया सेंटर फार इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च फंडेड प्रोजेक्ट एस.एम.सी.एम./2002/032 के तहत प्रोजेक्ट में 20 अगस्त 2010 से तीन सप्ताह के लिये काम किया।
- डा. एस. अय्यप्पन (सचिव डेयर और महानिदेशक आईसीएआर) ने आईसीएआरआईएसएटी गवर्निंग बोर्ड और कमेटी की मीटिंग में भाग लेने के लिये अरूशा, तंजानिया की यात्रा पर 20 से 23 सितंबर 2010 को गए।
- डा. पी.डी. शर्मा (एडीजी, सोयल्स, आईसीएआर (हेडक्वार्टर)) ने II एमपी-1 स्टेकहोल्डर कन्सूलेटिव कान्फ्रेंस में भाग लेने के लिये अलेप्पो, सीरिया में 9 से 10 अगस्त 2010 के मध्य प्रवास किया।
- डा. ए. सुब्बा राव (निदेशक, आईआईएसएस भोपाल) ने सोयल साइंस पर आयोजित 19वीं वर्ल्ड कांग्रेस में भाग लेने के लिये यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीइंश लैंड ब्रिसबेन आस्ट्रेलिया की यात्रा 1 से 10 अगस्त 2010 के मध्य की।
- डा. एस.के. दत्ता (उपमहानिदेशक, क्रॉप साइंस, आईसीएआर (एचक्यू)) ने एग्रीकल्चर प्रोडक्टीविटी इन्क्रीज: चेलैंजस एंड मीन्स ऑफ डेवलपमेंट पर आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए जर-अज़ोर सीरिया में 28 से 30 नवंबर 2010 के मध्य प्रवास किया।
- डा. एन.पी.एस. यदुवंशी (प्रधान वैज्ञानिक, सीएसएसआरआई करनाल) ने सोयल साइंस पर 19वीं वर्ल्ड कांग्रेस में भाग लेने के लिये 31 जुलाई से 12 अगस्त के मध्य आस्ट्रेलिया में प्रवास किया।
- डा. बी. वेंकटेश्वरलू (निदेशक, सीआरआईडीए हैदराबाद) ने स्टेक होल्डर मीटिंग ऑन इन्टेगरेटेड एग्रीकल्चर सिस्टम फार पुअर एंड वलनरेवल इंटग्रेटेड एग्रीकल्चर प्रोडक्शन सिस्टम फार ड्राई एरिया'' में भाग लेने के लिये नैरोबी, केन्या की यात्रा 8 से 9 जुलाई 2010 के मध्य की।
- प्रो. स्वपन कुमार दत्ता (उपमहानिदेशक, क्रॉप साइंस आईसएआर (एचक्यु.)) ने आईआरआरआई की 50वीं एनीवर्सरी और बांग्लादेश अथोरिटीज़ और एस.ए.ए.आर.सी. एग्रीकल्चर सेंटर के साथ मीटिंग के लिये 12 से 14 जुलाई के मध्य ढाका बंगलादेश की यात्रा की।
- डा. एम. सिवासामी (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएआरआई रिजीनल स्टेशन वेलिंगटन) और डा. विनोद (वरिष्ठ वैज्ञानिक डिवीजन ऑफ जेनेटिक आईएआरआई नई दिल्ली) व्हीट इंम्प्रूवमेंट एंड पैथोलॉजी पर ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिये सी.आई.एम.एम.वाई.टी. मैक्सिको की यात्रा पर 2 अगस्त से 1 अक्तूबर 2010 के मध्य गये।
- डा. एस.एस. सिंह (निदेशक, डीडब्ल्युआर करनाल) ने ड्राईलैंड सीरियल पर मेगा प्रोग्राम 3 में स्टेक होल्डर मीटिंग में भाग लेने के लिये 2 से 3 अगस्त 2010 के मध्य नैरोबी, केन्या में प्रवास किया।
- डा. ए.जी. पोनियार (निदेशक, सीआईवीए भुबनेश्वर) ने ''हारनेसिंग द डवलपमेंट पोटेंशियल ऑफ एक्युटिक

सिस्टम्स फार द पुअर एंड वलनरेवल'' पर सीजीआईए मेगा प्रोग्राम 1 - 3 के लिये डिजाइन वर्कशाप में शामिल होने के लिये पेनांग, मलेशिया के भ्रमण पर 19 से 21 जुलाई 2010 के मध्य रहे।

- डा. एस.वी. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक) और डा. प्रवीन कुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक सीपीआरएस मोदीपुरम) ने एग्रोनोमी एंड साइकोलॉजी आफ पोटैटो पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिये नेवशेहीर, तुर्की की यात्रा 20 से 24 सितंबर 2010 के मध्य की।
- डा. आर. कल्पना शास्त्री (प्रमुख, एआरएसएमपी डिवीजन एनएएआरएम हैदराबाद) ने सीजीआईएआर का मेगा प्रोग्राम 2 (एमपी2) के लिये कंसलटेटिव मीटिंग डेवलपमेंट ऑफ द प्रपोजल के लिये आईएलआरआई कैंपस एडिस अबाबा इथोपिया की यात्रा 17 से 19 अगस्त 2010 के मध्य की।
- डा. वी.डी. पाटिल (एडीजी, ओ एंड पी, आईसीएआर (एचक्युआरएस) ने 2 से 7 अगस्त 2010 के मध्य केन्या की यात्रा की। यह यात्रा ड्राईलैंड सीरियल (2 से 3 अगस्त) एंड ग्रेन लिग्युम्स (6 से 7 अगस्त) पर स्टेक होल्डर मीटिंग में शामिल होने के लिये गये।
- डा. वी. सेतियाचालाम (वाइरोलॉजिस्ट, आईसीएआर) ने 20 से 26 सितंबर 2010 के मध्य आईआईटीए (एचक्यु) बादान, नाइजीरिया की यात्रा की। इस मौके पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रोपिकल एग्रीकल्चर द्वारा आयोजित वर्ल्ड कोपिया कान्फ्रेंस में 27 सितंबर से 1 अक्तूबर के मध्य डकार, सेनेगल में प्रेजेंटेशन दिया।
- डा. एस.के. नसकर (निदेशक, सीटीआरआई केरल) ने वर्ल्ड कैफे मीटिंग में भाग लेने के लिये एक्का घाना में 9 से 10 अगस्त 2010 के मध्य प्रवास किया।
- डा. सुरेश पाल (प्रमुख, डिवीजन ऑफ एग्रीकल्चर इकनामिक्स आईएआरआई, नई दिल्ली) ने एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंडियाकेटर्स आईएफपीआरआई पर एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में शामिल होने के लिये स्टेलेनबोच साउथ अफ्रीका का भ्रमण 24 से 25 सितंबर 20910 के मध्य किया।
- श्री राजीव महर्षि (अतिरिक्त सचिव डेयर और सचिव आईसीएआर) और प्रो. एस.के. दत्ता (उपमहानिदेशक फसल विज्ञान) ने वियतनाम में आयोजित तीसरी इंटरनेशनल राईस कांग्रेस में भाग लेने के लिये 8 से 12 नवंबर 2010 के मध्य वितनाम में प्रवास किया।
- डा. आर.के. त्यागी (प्रधान वैज्ञानिक प्रमुख जर्मप्लाज्म कंजरवेशन डिवीजन एनबीपीजीआर, नई दिल्ली) ने एक्सपर्ट कंसलटेशन मीटिंग फार रिवीजन जेनबैंक स्टैंडर्ड में बतौर एक्सपर्ट भाग लेने के लिये बायोवरसिटी इंटरनेशनल रोम की यात्रा 6 से 8 सितंबर 2010 के मध्य की।
- डा. एस. अय्यपन (सचिव डेयर और महानिदेशक आईसीएआर) प्रतिनियुक्ति ट्रस्टी टू द इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर (सीआईपी) बोर्ड गये।
- डा. एस.के. दत्ता (डीडीजी, फसल विज्ञान आईसीएआर एचक्यु) डा. एस.एम. सिंह (परियोजना डायरेक्टर, डीडब्ल्युआर करनाल) और डा. विनोद प्रभु (अध्यक्ष डिपार्टमेंट और जेनेटिक आईएआरआई, नई दिल्ली) ने इंडियन स्टीयरिंग कमेटी ऑफ द इंडो आस्ट्रेलिया प्रोग्राम आफ मारकर असिस्टेंट व्हीट ब्रीडिंग (आईएपीएमएडब्ल्युबी) के सदस्यों की दूसरी एनुअल स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में भाग लेने के लिये 2 से 8 अक्तूबर 2010 के मध्य आस्ट्रेलिया में प्रवास किया।
- डा. आर.पी दुआ (एडीजी, एफ, एफसी, आईसीएआर) ने सीएलएएन कन्ट्री कोआर्डीनेटर्स स्टीयरिंग कमेटी मीटिंग में भाग लेने के लिये एसपी-II कराज़ इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का भ्रमण 27 से 29 नवंबर 2010 के मध्य किया।
- डा. ए.एन. मिश्रा (प्रधान वैज्ञानिक, और प्रमुख आईएआरआई रीजनल स्टेशन इन्दौर, मध्य प्रदेश) ने काठमांडु नेपाल में आयोजित सीरियल सिस्टम्स इनीशिएटिव फॉर साउथ एशिया, व्हीट ब्रीडिंग (आबजेक्टिव-4) पर दूसरी एनुअल रिव्यू मीटिंग में भाग लेने के लिये 14 से 18 सितंबर 2010 के मध्य नेपाल में प्रवास किया।
- डा. रवीश चत्रार्थ (प्रधान वैज्ञानिक) डा. रतन तिवारी (प्रधान वैज्ञानिक) डा. एम.एस. सरन (वरिष्ठ वैज्ञानिक) सभी डीडब्ल्युआर, करनाल) ने एसीआईएआर - डी डब्ल्युआर कॉलैबोरेटिव प्रोजेक्ट सीआईएम/2005/20 के तहत ''मोलेक्युलर मार्कर टेक्नोलाजिस फार फास्टर व्हीट ब्रीडिंग इन इंडिया'' के लिये 22 सितंबर से 1 अक्तूबर 2010 के मध्य आस्ट्रेलिया में प्रवास किया।
- डा. रवीश चत्रार्थ (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्ल्युआर, करनाल) ने काठमांडू, नेपाल में ओयोजित साउथ एशिया व्हीट ब्रीडिंग (आबजेक्टिव 4) के लिए सीरियल सिस्टम पर दूसरी रिव्यू मीटिंग में भाग लेने के लिए 14 से 18 सितंबर 2010 तक नेपाल की यात्रा की।
- डा. तपन कुमार आध्या (निदेशक, सीआरआरआई, कटक) ने तीसरी इंटरनेशनल राईस कांग्रेस में भाग लेने हनोई, वियतनाम की यात्रा 9 से 11 नवंबर 2010 के मध्य की।
- प्रो. स्वप्न कुमार दत्ता (डीडीजी फसल विज्ञान आईसीएआर) ने तीसरी इंटरनेशनल राईस कांग्रेस में भाग लेने के लिये 8 से 12 नवंबर 2010 के मध्य हनोई, वियतनाम की यात्रा की।
- डा. जी.एस. मावी (असिस्टेंट प्लांट ब्रीडर, डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स पी.ए.यू लुधियाना) ने मोलेकुलर व्हीट ब्रीडिंग के प्रोसेस को समझने के लिये और इंटरनेशनल क्रॉप इन्फार्मेशन सिस्टम को एक्टिव प्रोजेक्ट में लागू करने की समीक्षा के लिये 22 सितंबर से 1 अक्तूबर 2010 के मध्य आस्ट्रेलिया में प्रवास किया।
- डा. एस. अय्यपन (सचिव, डेयर एंड डीजी, आईसीएआर) ने नैरोबी, केन्या में स्थित आईसीएआर) इंटरनेशनल सेंटर फार रिसर्च एग्रोफारेस्ट्री और साथ में इंटरनेशनल लाइवस्टोक रिसर्च इंस्टीट्यूट की यात्रा पर 6 से 8 दिसंबर 2010 के मध्य गये।
- डा. गोविन्द कृष्णन (प्रधान वैज्ञानिक, सीपीआरआई, शिमला) ने सीआईपी स्टडी एंड एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेने के लिये पेरु की यात्रा 15 से 29 नवंबर 2010 के मध्य की।
- डा. पी. जय प्रकाश (वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएआरआई रीजनल स्टेशन वेलिंग्टन) ने ''स्टैंडर्डलाईजेशन ऑफ स्टेम रस्ट नोट्स एंड जर्मप्लाज्म इवेल्युेशन विद डिसक्शन

ऑन यलो एंड ब्राउन रस्ट'' की ट्रेनिंग के लिये 5 से 12 अक्तूबर 2010 के मध्य नजोरो, केन्या की यात्रा की।

- डा. बी.पी. सिंह (प्रमुख) डा. एस.के. चक्रवर्ती (प्रमुख और प्रधान वैज्ञानिक) और डा. एस.के. कौशिक (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीपीआरआई, शिमला) ने पोटैटो पार्टनर लेवल मीटिंग में भाग लेने के लिये 31 अक्तूबर से 1 नवंबर 2010 के मध्य ढाका, बांगलादेश की यात्रा की।
- डा. ज्योति कौल (वरिष्ठ वैज्ञानिक) डा. सी.एम. परिहार (वैज्ञानिक) और डा. मनीवनन्न ए (वैज्ञानिक) (सभी डायरेक्टरेट ऑफ मेज़ रिसर्च, नई दिल्ली) ने बांगलादेश में सीआईएमएमवाईटी द्वारा आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिये बीएआरआई बांगलादेश की यात्रा 2 से 5 अक्तूबर 2010 के मध्य की।
- डा. प्रीतिन्दर सिंह सराओ (इंटोमोलोजिस्ट, डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट ब्रीडिंग एंड जेनेटिक) ने ''न्यू पैराडाइज्मस इन राईस होपर रेसिस्टेंस पर'' आईआरआरआई लगुना फिलिपिंस में आयोजित वर्कशाप में भाग लेने के लिये 18 से 22 अक्तूबर 2010 के मध्य भ्रमण किया।
- डा. रणधीर सिह (प्रधान वैज्ञानिक, डीडब्लयुआर, करनाल) और डा. अनुज कुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीडब्ल्युआर करनाल) ने प्रोजैक्ट वर्कशाप में भाग लेने के लिए एडेल्ट, साउथ आस्ट्रेलिया अक्तूबर 2010 के मध्य यात्रा की।
- डा. पी.आर मेघवाल (प्रधान वैज्ञानिक, सीएजेडआरआई, जोधपुर) ने एफएओ-आईसीएआर डीए द्वारा आयोजित कैक्टस पिअर एण्ड कोचीनियल वींग पर सातवीं इन्टरनेशल कांग्रेस में भाग लेने के लिये आगीदीर, मोरैक्को की यात्रा 17 से 22 अक्टूबर 2010 के मध्य की।
- डा. जे.एस. बेन्तोर (प्रधान वैज्ञानिक, डीआरआर, हैदराबाद) ने ''न्यू पैराडिज्म इन राईस होपर रेसिसटेन्स'' पर आयोजित इन्टरनेशनल वर्कशाप में भाग लेने के लिए 18 से 22 अक्तूबर 2010 में मध्य फिलीपिंस की यात्रा की। इस मौके पर पोस्ट वर्कशाप कार्यक्रम में रिसर्च एण्ड राइटिंग पर पोस्ट वर्कशाप में भाग लेने के लिये 23 से 31 अक्टूबर 2010 के मध्य आईआरआरआई फिलीपिंस की यात्रा की।
- डा. एच.पी. सिंह (डीडीजी, बागवानी) ने एफएवीआरआई द्वारा आयोजित बीएपीएनईटी बायोडायवरसिटी इंटरनेशनल मीटिंग में बतौर चेयरमैन भाग लेने के लिए हनोई, वियतनाम की यात्रा की यात्रा 2 से 5 नवंबर के मध्य की।
- डा. संयुक्ता दास (प्रधान वैज्ञानिक, सीआरआरआई, कटक) ने तीसरी इंटरनेशनल राइस कांग्रेस में भाग लेने के लिए हनोई, वियतनाम की यात्रा 8 से 11 नवंबर 2010 के मध्य की।
- डा. (सुश्री) लिविन्दर कौर और डा. सर्वजीत सिंह, वरिष्ठ प्लांट ब्रीडर, डिपार्टमेंट आफ प्लांट ब्रीडिंग एंड जेनेटिक, पीएयू, लुधियाना ने ''एसेलेरेट जेनेटिक इम्प्रूवमेंट आफ देसी चिकपी: एन इन्टरनेशनल अलाइंस बिटविन डीएएफ डब्ल्यूए/यूडब्ल्यूए/सीएलआईएमए/सीओजीजीओ/आईसीआरआईएसएटी'' पर संयुक्त अनुसंधान प्रोजेक्ट पर रिव्यू रिसर्च के लिये 17 से 22 अक्टूबर 2010 के मध्य आस्ट्रेलिया में प्रवास किया।
- डा. एस.के. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, गोट जेनेटिक एण्ड ब्रीडिंग डिवीजन, सीआईआरजी, मखदूम) ने ''सस्टेनेबल एग्रीकल्चर डेवलपमेंट एण्ड यूज ऑफ एग्रोबायोडायवरसिटी इन एशिया पैसिफिक रीजन'' पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी मे भाग लेने के लिये सुवन रिपब्लिक आफ कोरिया की यात्रा 13 से 15 अक्टूबर 2010 के मध्य की।
- डा. ए.के ठाकुर (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीडब्ल्यूएम, भुबनेश्वर) तीसरी इंटरनेशनल राइस कांग्रेस में भाग लेने के लिये 8 से 12 नवम्बर 2010 के मध्य वियतनाम में प्रवास किया।
- डा. एस.के. नस्कर (निदेशक, सीटीसीआरआई, तिरुवंतपुरम) ने 21वीं शताब्दी के लिये ग्लोबल कसावा पार्टनरशिप के लिये दूसरी स्ट्रेटेजिक मीटिंग में भाग लेने के लिये बेलेगिओ, इटली की यात्रा की 1 से 5 नवम्बर 2010 के मध्य की।
- डा. के.टी. संपथ (निदेशक, एनआईएएनपी, बंगलुरू) ने ''एण्ड आफ प्रोजेक्ट वर्कशाप आन फोल्डर इन्नोवेशन प्रोजेक्ट'' में भाग लेने के लिए 15 से 19 नवंबर 2010 के मध्य लाओसा की यात्रा की।
- डा. एन. शोभारानी, डा. एन. सरला, डा. टी. राय, (तीनों प्रधान वैज्ञानिक) डा. बी.सी. विराक्तमथ (परियोजना निदेशक) और डा. के. सुरेखा (वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीआरआर) ने वियतनाम में आयोजित तीसरे इंटरनेशनल राइस कांग्रेस में भाग लेने के लिए 8 से 12 नवंबर 2010 के मध्य हनोई, वियतनाम में प्रवास किया।
- डा. एम.वी. सिंह (परियोजना समन्वयक, माइक्रोन्यूट्रीशन, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ सोयल साइंस भोपाल) ने ''फर्स्ट ग्लोबल कांफ्रेंस ऑफ बायोफर्टीफिकेशन-डिस्कवरी टू डिलीवरी'' में शामिल होने के लिए वाशिंगटन में प्रवास 9 से 11 नवंबर 2010 के मध्य किया।
- डा. राजकुमार गौतम (प्रमुख, डिवीजन आफ फील्ड क्राप्स, सीएआरआई, पोर्ट ब्लेयर) ने वियतनाम में आयोजित इंटरनेशल राइस कांग्रेस में शामिल होने के लिए 9 से 11 नवंबर 2010 के मध्य हनोई, वियतनाम की यात्रा की।
- डा. ओ.एन. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, सीआरआरआई, कटक) इंटरनेशन राइस कांग्रेस में शामिल होने के लिए 9 से 11 नवंबर 2010 के मध्य हनोई, वियतनाम गए।
- डा. एम. वारिअर (प्रधान वैज्ञानिक और ओआईसी) डा. एन.पी. मंडल (वरिष्ठ वैज्ञानिक), डा. सी.वी. सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीआरआरयूआरआरएस, हजारीबाग सीआरआरआई के तहत) और डा. जे.एन. रेड्डी (प्रधान वैज्ञानिक, कटक) ने वियतनाम में आयोजित इंटरनेशनल राइस कांग्रेस में भाग लेने 8 से 12 नवंबर के मध्य हनोई, वियतनाम, में प्रवास किया।
- डा. एस.के. दुबे (प्रधान वैज्ञानिक, सीएसडब्लूसीआरटीआई, आगरा) ने वियतनाम में आयोजित तीसरी आईआरसी में भाग लेने के लिए हनोई, वियतनाम की यात्रा 8 से 10 नवंबर 2010 के मध्य की।

❑